"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 16] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 21 अप्रैल 2017—वैशाख 1, शक 1939

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 30 मार्च 2017

क्रमांक ई 7-22/2004/1/2.—अखिल भारतीय सेवा (अवकाश) नियम, 1955 के नियम-19 के प्रावधान अनुसार श्री एन. के. असवाल, भा.प्र.से. को इस विभाग द्वारा स्वीकृत निम्नांकित आकस्मिक अवकाश एवं अर्जित अवकाश को लघुकृत अवकाश में परिवर्तित किया जाता है :—

क्र.	अवधि	अवकाश का प्रकार	दिवस	स्वीकृत अवकाश आदेश दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	दि. 24-01-2017 से दि. 28-01-2017 तक	आक. अवकाश	05	17-01-2017

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2017.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.	दि. 06-02-2017 से दि. 11-02-2017 तक	अर्जित अवकाश	06	24-01-2017
3.	दि. 16-02-2017 से दि. 25-02-2017 तक (दिनांक 26-02-2017 के राजपत्रित अवकाश को जोड़ते हुए)	अर्जित अवकाश	10	24-01-2017

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मुकुन्द गजभिये, अवर सचिव.

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 5 अप्रैल 2017

क्रमांक एफ 20-05/2016/11/6.—चूंकि, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित से ऐसा करना आवश्यक है,

अतएव राज्य शासन एतद्द्वारा इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-04-2016 द्वारा जारी "वाणिज्यिक उत्पादन प्रमाण पत्र" में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

संशोधन

(एक) उक्त अधिसूचना के पैरा-2 के उप पैरा-2.1 के अनुसार जारी परिशिष्ट-1 वाणिज्यिक उत्पादन प्रमाण पत्र हेतु आवेदन में सरल क्रमांक-4 उद्यमी की श्रेणी "नक्सल प्रभावित" के बाद "ट्रांसजेंडर" जोड़ा जावें.

(दो) उक्त अधिसूचना के पैरा-2 के उप पैरा-2.13 के अनुसार जारी परिशिष्ट-6 वाणिज्यिक उत्पादन प्रमाण पत्र प्रथम पैरा को निम्नांकित से प्रतिस्थापित किया जाये अर्थात् :—

This is to certify that on the basis of information furnished by M/S (entryname) PAN/CIN N. ----------------------------- (category of Enterprise) (manufacture/service) enteriprise, I.E.M. No. & UDYAM AKANKSHA No ---------------------------- (if applicable) at the address (address) in the State of Chhattisgarh, has commenced commercial production, as below :

(तीन) उक्त अधिसूचना के पैरा-2 के उप पैरा-2.13 के अनुसार जारी परिशिष्ट-6 वाणिज्यिक उत्पादन प्रमाण पत्र में अंत में Notes के अंतर्गत सरल क्रमांक-7 निम्नानुसार जोड़ा जाये अर्थात् :—

7 Any other remark (Which may be necessary and important) ....

ये संशोधन इस अधिसूचना के जारी होने की दिनांक से प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
व्ही. के. छबलानी, विशेष सचिव.

गृह (पुलिस) विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 27 मार्च 2017

क्रमांक एफ 3-72/2016/गृह-दो.—मैदानी गोला बारूद तोप अभ्यास अधिनियम 1938 के अध्याय II की धारा 9 (2) में निहित प्रावधान के अंतर्गत राज्य शासन एतद्द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र/राज्य पुलिस बल के जवानों को प्रशिक्षण के दौरान फायरिंग अभ्यास हेतु ग्राम तिलईरवार प.ह.नं. 10, रा.नि.मं. तुमड़ीबोड़, तह. डोंगरगांव अंतर्गत शास. भूमि खसरा नं. 987, रकबा 12.04 हैक्टर/4.872 एकड़ भूमि को 20 वर्षों के लिए फायरिंग रेंज हेतु अधिसूचित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
डी. के. माथुर, उप-सचिव.

आवास एवं पर्यावरण विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 5 अप्रैल 2017

शुद्धि पत्र

क्रमांक एफ 7-76/2014/32.— छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) दिनांक 2 फरवरी, 2016 में यथा प्रकाशित छत्तीसगढ़ भाड़ा नियंत्रण अनुकूलन नियम, 2016 संबंधी अधिसूचना क्रमांक एफ 7-76/2014/32 दिनांक 1 मार्च, 2016 के हिन्दी पाठ में, नियम 5 में अंकित तालिका के सरल क्रमांक (एक) में स्तम्भ क्रमांक 3 में "(नौ)" को "(ग्यारह)" पढ़ा जाये.

No. F 7-76/2014/32.—In the Hindi version of Notification No. F 7-76/2014/32, dated 2nd March 2016 relating to the Chhattisgarh Rent Control Adaptation Rules, 2016 as published in the Chhattisgarh Gazette (Extra Ordinary) dated 1st March, 2016, in rule 5, in the table, in serial number (1), in column (3) for "(नौ)" read "(ग्यारह)".

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रेजीना टोप्पो, संयुक्त सचिव.

ऊर्जा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 30 जनवरी 2017

क्रमांक 209/एफ-21/05/2012/13/2/ऊ.वि./प्रत्याभूति.—राज्य शासन एतद्द्वारा नीचे तालिका में दर्शाये अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित रायपुर को वर्किंग केपिटल की व्यवस्था हेतु युनियन बैंक आफ इण्डिया तथा स्टेट बैंक आफ इण्डिया से राशि रुपये 500 करोड़ के कैश क्रेडिट की सुविधा हेतु बिना प्रत्याभूति शुल्क भुगतान के राज्य शासन की गारंटी प्रदान करता है :—

क्रमांक	बैंक का नाम	कैश क्रेडिट की सीमा	गारंटी की अवधि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	यूनियन बैंक आफ इण्डिया	रुपये 250 करोड़	01-01-2017 से 31-12-2017 तक
2.	स्टेट बैंक आफ इण्डिया	रुपये 250 करोड़	01-01-2017 से 31-12-2017 तक

2. उपरोक्त स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रभावशील रहेगी :—

2.1 शासन की प्रत्याभूति जो दिनांक 31-12-2017 तक है की वैधता की अवधि में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा समय-समय पर वर्किंग केपिटल की आवश्यकता ऊपर तालिका में दर्शाये बैंक के समक्ष दर्शाई सीमा में कैश क्रेडिट सुविधा का लाभ प्राप्त किया जाए.

2.2 युनियन बैंक आफ इण्डिया एवं स्टेट बैंक आफ इण्डिया द्वारा स्वीकृत कैश क्रेडिट सुविधा के अंतर्गत आहरित वर्किंग केपिटल की राशि पर देय ब्याज के भुगतान की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा संबंधित बैंकों में पृथक से निधियों (Fund) संधारित किया जाए ताकि देय ब्याज का भुगतान नियमित रूप से किया जा सकेगा.

2.3 युनियन बैंक आफ इण्डिया एवं स्टेट बैंक आफ इण्डिया की कैश क्रेडिट संबंधी बाध्यताओं पर पालन सुनिश्चित करने दायित्व छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पर रहेगा.

2.4 शासन की प्रत्याभूति के विरुद्ध आहरित राशि केवल वर्किंग केपिटल की आवश्यकता की पूर्ति के लिए है अत: आहरित राशि का उपयोग किसी भी दशा में अन्य प्रयोजन के लिये नहीं किया जा सकेगा.

2.5 युनियन बैंक आफ इण्डिया एवं स्टेट बैंक आफ इण्डिया से कैश क्रेडिट सुविधा अंतर्गत प्राप्त आहरित राशि के व्यय तथा जमा की गई राशि का विस्तृत लेखा रखा जायेगा और शासन की आवश्यकता पर इस हेतु जानकारी उपलब्ध कराई जाए.

2.6 छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के संचालक मण्डल द्वारा कैश क्रेडिट सुविधा हेतु पारित संकल्पों/निर्णयों/जारी किए जाए निर्देशों की जानकारी राज्य शासन को पृष्ठांकित की जाए.

2.7 छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा युनियन बैंक आफ इण्डिया एवं स्टेट बैंक आफ इण्डिया को धनराशि का भुगतान नियमित किया जाएगा एवं चूक होने पर इसकी जानकारी तत्काल राज्य शासन के संज्ञान में लायी जावेगी.

2.8 इस प्रत्याभूति के विरुद्ध अर्जित निधियों से वितरित ऋणों की वसूली एवं कालातीत होने की दशा में उसके तथ्य की विस्तृत एवं स्पष्ट सूचना छ.रा. विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यथाशीघ्र शासन को दी जाए.

2.9 राज्य शासन बिना पूर्व सूचना दिये, जो उचित एवं आवश्यक समझेगी नवीन ऋण प्राप्त करने को तथा नवीन ऋणों के वितरण को निषिद्ध कर सकेगी.

2.10 अन्य कोई शर्त अथवा शर्तें जिसे या जिन्हें आवश्यक समझा जाएगा, आगे कभी भी अधिरोपित करने के लिए राज्य शासन सक्षम रहेगा.

2.11 उपरोक्त शर्तों के अधीन युनियन बैंक आफ इण्डिया एवं स्टेट बैंक आफ इण्डिया से कैश क्रेडिट की सुविधा अंतर्गत राशि आहरण हेतु कंपनी के सक्षम स्तर की स्वीकृति प्राप्त करने का दायित्व स्वयं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पर रहेगा.

2.12 छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा युनियन बैंक आफ इंडिया तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया से राज्य शासन की गारंटी के अधीन कैश क्रेडिट की सुविधा प्राप्त करने के लिए इस हेतु Prescribed Formet (परिशिष्ट-1 और 2) में अलग-अलग "गारंटी डीड" के निष्पादन हेतु विशेष सचिव, ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को अधिकृत किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. एस. रत्नम, विशेष सचिव.

परिशिष्ट – 1

FORM C 4
(DEED OF GUARANTEE FOR OVERALL LIMIT)

This Deed of Guarantee made on the ....day of ....Two thousand and sixteen

by

Government of Chhattisgarh, requested by..,Government of Chhattisgarh (hereinafter unless otherwise specilically designated referred to as "the Guarantors" which expression shall unless repugnant to the context or meaning thereof be deemed to include in so far as the company is concerned its successor and permitted assigns and in so far as the others are concerned their respective heirs, executors, adimistrators and legal representaties) in favour of STATE BANK OF INDIA, a body-corporate constitued under the State Bank of India Act, 1955, and having its Corporate Center at State Bank, Bhavan, Madame Cama Road, Nariman Point, Mumbai-400021 and one of its Local Head Officers at Mid Corporate Reginal Office, 5, Y. N. Road, Indore and amongst other places a branch at Commercial Branch, 2nd Floor, Pujari Chambers, Pachpedi Naka, Raipur-492001 (hereinafter unless otherwise specifically designated referred to as "the Bank" Which expression shall unless repugnant to the context or meaning thereof be deemed to include its successors and assigns).

WHEREAS in terms of an agreement of Loan executed by CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LIMITED, a company within the meaning of the Companies Act, 1956, and having its registered office at Vidyaut Sewa Bhawan, Dangania, Raipur, Chhattisgarh-492013 (hereinafter referred to as "the Borrower" which expression shall unless repugnant to the context or meaning thereof be deemed to include its successors and permitted assigns) with the Bank of the other Part on 16th day of June, 2016 as modified and/or extended by Supplemental Agreement dated the ....day of ....executed between the Borrower and the Bank (hereinafter collectively referred to as "the said Agreement of Loan") the Bank has agreed to finance the business of the Borrower by granting all or some or any of the credit facilites or the Bank has agreed to continue the credit facilities now being enjoyed by the Borrower and the Bank has also agreed not to sue the Borrower in respect of all or some or any of the credit facilities either in Indian of foreign currencies by way of overdrafts, demand loans, loans, cash credits (by way of pledge lock and key type, factory type of mundy type or by way of hypothecation or any other form including working capital term loan), term loans (including funding of interest or in any other form granted as part of rehabilitation packages), pre-shipment and post-shipment credits, opening of letters of credits, issuing of guarantee including deferred payment guarantees and indemnities negotiations and discounting of demand and/or usance bills and cheques inland as well as foreign and such other facilities as may be agreed upon from time to time between the Bank and Borrower for sums not exceeding in the aggregate the sum of Rs. 450,00,00,000/- (Rs. Four hundred and fifty crore only) (hereinafter referred to as "the aforesaid credit facilities") on the terms and conditions specified and contained therein.

AND WHEREAS one of the conditions specified and contained in the said Agreement of Loan is that the Borrower shall procure and furnish to the Bank a guarantee guaranteeing due payment by the Borrower of the said (Fund Based Working Capital limit) sum of Rs. 250,00,00,000/- (Rs. Two hundered and fifty crore only) (hereinafter for the sake of brevity referrred to as "the principal sum") together with interest costs charges expenses and/or other monies due to the Bank in respect of or under the aforesaid credit facilitites or any of them on demand by the Bank.

AND WHEREAS the Guarantees at the request of the Borrower and in consideration of the Bank having agreed to grant or granted at the request of the Guarantors the aforesaid credit facilities to the Borrower have agreed to execute this Guarantee in favour of the Bank on the terms and in the manner hereinafter appearing.

NOW THIS INDENTURE WITNESSETH that in consideration of the above premises it is hereby covenanted and agreed (the Guarantors covenanting and agreeing jointly and severally) as follows;

1. If at any time default shall be made by the Borrower in payment of the principal sum (not exceeding Rs. 250,00,00,000/- (Rs. Two hundered and fifty crore only) together with interest, costs, charges, expenses and/or other monies for the time being due to the Bank in respect of or under the aforesaid credit facilities or any of them the Guarantors shall forthewith on demand pay to the Bank the whole of such principal sum (Not exceeding Rs. 250,00,00,000/- (Rs. Two hundred and fifty crore only) together with interest, costs, charges, expences and/or any other monies as may be then due to the Bank in respect of the aforesaid credit facilities

and shall indemnify and keep indemnified the Bank against all losses of the said principal sum, interest or other monies due and all costs charges and expenses whatsoever which the Bank may incur by reason of any default on the part of the Borrower.

2. The Guarantors agree and confirm that interest shall be charged on the outstanding in the account(s) opened in respect of the aforesaid credit facilities at such rate(s) as may be determined by the Bank from time to time and in such rate is linked to the Base Rate/MCLR obtaining at the particular time, any revision in the Base Rate/MCLR shall correspondingly change the effective rate of interest on such account from the date of such revision, interest shall be calculated respectively on the daily balance of such account(s) and be debited thereto on the last working day of the month or quarter according to the practice of the Bank. The Bank shall also be entitled to charge as its own discretion such enhanced rates of interest on the account(s) either on the entire outstanding or on a portion thereof as it may fix for any irregularity and for such period as the irregularity continues or for such time as the Bank deems it necessary regard being had to the nature of the irregularity and the during of such enhanced rate of interest shall be without prejudice to the Bank's other rights and remedies.

3. The Bank shall have the fullest liberty without affecting this Guarantee to vary the amounts of the individual limits of the aforesaid credit facilities as may be agreed upon from time to time between the Bank and the Borrower subject to the aggregate thereof not exceeding the principal sum and/or to postpone for any time or from time to time enforce or forbear to enforce any remedies of securities available to the Bank of its liberty with reference to the matters aforesaid or any of them or by reason of time being given to the Borrower or of any other forbearance act or omission on the part of the Bank or any other indulgence by the Bank to the Borrower or by any other matters or things whatsoever which under the law relating to sureties would but for this provision have the effect of so releasing the Guarantors.

4. As the aforesaid credit facilities have been further secured by hypothecation and/or pledge of the Borrower's movable properties and/or mortgage of the Borrower's immovable properties under separate security documents executed by the Borrower with the Bank which security documents would contain stipulations as to insurance assignment and delivery of Insurance Policy to the Bank the margin or value of properties to be maintained and the periodical furnishing of different statements to the Bank and other matter the Guarantor agree that no failure in requiring or obtaining such security or in the observance or performance of any of the stipulations or terms of the said security documents and no default of the Bank in requiring or enforcing the observance or performance of any of the said stipulations or terms shall have the effect or releasing or discharging or in any manner affecting the liability of the Guarantors under these presents.

5. The Bank shall be at liberty to take in addition to the subsisting securities any other securities for the aforesaid credit facilities or any of them or any part thereof and to release or forbear to enforce all or any of the remedies upon or under such securities and any collateral security or securities now held by the Bank and that no such release or forbeareance as aforesaid shall have the effect of releasing or discharging or in any manner affecting the liability of the Guarantors under the Guarantee and that the Guarantors shall have no right to the benefit of the said security and/or any other security that may be held by the Bank until the claims of the Bank against the Borrower in respect of the aforesaid credit facilities and of all (if any) other claims of the Bank against the Borrowers on any other account whatsoever shall have been fully satisfied and then in so far only as such security shall not have been exhausted for the purpose of realising the amount of the Bank's claims and rateably only with other Guarantor or other persons (if any) entitled to the benefit of such securities respectively.

6. The Guarantee herein contained shall be enforceable against the Guarantors not withstanding the securities aforesaid or any of the them or any other collateral securities that the Bank may have obtained or may obtain from the Borrower or any other person shall at the time when proceedings are taken against the Guarantors hereunder be outstanding and/or not enforced and or remain unrealised.

7. In order to give effect to the Guarantee herein contained the Bank shall be entitled to act as if the Guarantors were principal debtors to the Bank for all payments guaranteed by them as aforesaid to the Bank.

8. The guarantee herein contained is a continuing one for all amounts advanced by the Bank to the Borrower in respect of or under the aforesaid credit facilities as also for all interest costs and other monies which may from time to time become due and remain unpaid to the Bank thereunder and shall not be determined or in

any way be affected by any account or accounts opened or to be opened by the Bank becoming nil or coming into credit at any time or from time to time or by reason of the said account or accounts being closed and fresh account or accounts being opened in respect of fresh facilities being granted within the overall limit sanctioned to the Borrower.

9. Notwithstanding the Bank's rights under any security which the Bank may have obtained or may obtain the Bank shall have fullest liberty to call upon the Guarantors to pay the principal sum not exceeding Rs. 250,00,00,000/- (Rs. Two hundred and fifty crore only) together with interest as well as the costs (as between advocate and client) charges and expenses, and/or other monies for the time being due to the Bank in respect of or under the above mentioned credit facilities or any of them without requiring the Bank to realise from the Borrower the amount due to the Bank in respect of the above mentioned credit facilities and/or requiring the Bank to enforced any remedies or securities available to the Bank.

10. The Guarantee herein contained shall not be determined or in any way prejudiced by any absorption of or by Bank or by any amalgamation thereof or therewith but shall ensure and be available for and by the absorbing or amalgamated Bank or concern.

11. The Guarantee shall be irrevocable and enforceable against the Guarantors notwithstanding any dispute between the Bank and the Borrower.

12. The Guarantors affirm confirm and declare that any balance confirmation and/or acknowledgment of debt and/or admission of liability given or promise or part payment made by the Borrower or the authorised agent of the Borrower to the Bank shall be deemed to have been amde and/or given by or on behalf of the Guarantors themselves and shall be binding upon each of them.

13. The Guarantors shall forthwith on demand made by the Bank deposit with the Bank such sum or security or further sum or security as the Bank may from time to time specify as security for the due fulfillment of their obligations under this Guarantee and any security of deposited with the Bank may be sold by the Bank after giving to the Guarantors a reasonable notice of sales and the said sum or the proceeds of sale of the securities may be appropriated by the Bank in or towards satisfaction of the said obligations and any liability arising out of non-fulfillment thereof by the Guarantors.

14. The Guarantors hereby agree that notwithstanding any variation made in the terms of the said Agreement of loan and/or any of the said security documents including reallocation/interchange of the individual limits within the principal sum variation in the rate of interest, extension of the date for payment of the instalments, if any, or any composition made between the Bank and Borrower to give time to or not to sue the Borrower, or the Bank parting with any of the securities given by the Borrower, the Guarantors shall not be released or discharged of their obligation under this Guarantee provided that in the event of any such variation or composition or agreement the liability of the Guarantors shall not withstanding anything herein contained be deemed to have accrued and the Guarantors shall be deemed to have become liable on the date or dates on which the borrower shall become liable to pay the amount/amounts due under the said Agreement of Loan and/or any of the said security documents as a result of such variation or composition or agreement.

15. The Guarantors hereby agree and confirm that the Bank shall be entitled to adjust appropriate or set-off all monies held by the Bank to the credit of or for the benefit of the Guarantors on any account or otherwise howsoever towards the discharge and satisfaction of the liability of the Guarantors under these presents.

16. The Guarantors agree that notwithstanding the Bank for any reason whatsoever losing and/or parting with any of the securities given by the Borrower the Guarantors shall not be released or discharged of their obligations under this Guarantee and in the event of the Bank so losing or parting with a security the guarantor shall be deemed to have consented to or acquiesced in the same.

17. The Guarantors agree that if the Borrower being an individual becomes an insolvent or being a company enters into liquidation or winding up (whether compulsory or voluntary) or if the management of the undertaking of the Borrower is taken over under any law or if the Borrower and/or the undertaking of the Borrower is nationalised under any law or make any arrangement or composition with creditors the Bank may (notwithstanidng payment to the Bank by the Guarantors or any other person of the whole or any part of the amount hereby secured) rank as creditor and prove against the estate of the Borrower for the full amount of all the Bank's claims against the borrower or agree to and accept any composition in respect thereof and the

Bank may receive and retain the whole of the dividends, composition or other payments thereon to the exclusion of all the rights or the Guarantors in competition with Bank until all the Bank's claims are fully satisfied and the Guarantors will not be paying off the amounts payable by them or any part thereof or otherwise prove or claim against the estate of the Borrower until the whole of the Bank's claims against the Borrower have been satisfied and the Bank may enforce and recover payment from the Guarantors of the full amount payable by the Guarantors notwithstanding any such proof or composition as aforesaid. On the happening of any of the aforesaid events, the Guarantors shall forthwith inform the Bank in writing of the same.

18. The Guarantee hereby given is independent and distinct from any security that the Bank has taken or may take in any manner whatsoever whether it be by way of hypothecation pledge and/or mortgage and/or any other change over goods, movables or other assets and/or any other property movable or immovable and that the Guarantors have not given this guarantee upon any understanding faith or belief that the Bank has taken and/or may hereafter take any or other such security and that notwithstanding the provisions of Section 140 and 141 of the Indian Contract Act, 1872 or other section of that Act or any other law, the guarantors will not claim to be discharged to any extent because of the bank's failure to take any or other such security or in requiring or obtaining any or other such security or losing for any reason whatsoever including reasons attributable to its defaults and negligence benefit of any or other such security or any of rights to any or other such security that have been or could have been taken.

19. The Guarantors agree that any admission or acknowledgement in writing signed by the Borrower of the liability or indebtedness of the Borrower or otherwise in relation to the above mentioned credit facilities and or any part payment as may be made by the Borrower towards the Principal, sum hereby guaranteed or any judgement, awards or order obtained by the Bank agaist the Borrower shall be binding on the Guarantors and the Guarantors accent the correctness of any statement of account that may be served on the Borrower which is duly certified by any Officer of the Bank and the same shall be binding and conclusive as against the Guarantors also and the Guarantors further agree that in the Borrower making an acknowledgement or making a payment the-Borrower shall in addition to his personal capacity be deemed to act as the Guarantors duly authorised agent in that behalf for the purposes of Sections 18 and 19 of the Limitation Act of 1963.

20. The Guarantors agree that amount due under or in respect of the aforesaid credit facilities and hereby guaranteed shall be payable to the Bank on the Bank serving the Guarantors with a notice requiring payment of the amount and such notice shall be deemed to have been served on the Guarantors either by actual delivery thereof to the Guarantors or by despatch thereof by Registered Post or Certificate of Posting to the Guarantors address herein given or any other address in India to which, the Guarantors may by written intimation give to the Bank or request that communication addressed to the Guarantors be despatched. Any notice despatched by the Bank by Registered Post or Certificate of Posting to the address to which it is required to be despatched under this clause shall he deemed to have been duly served on the Guarantors four days after the date of posting thereof, and shall be sufficient if signed by any officer of the Bank and in proving such service it shall be sufficient if it is established that the envelope containing such notice communication or demand was properly addressed and put into the post office.

IN WITNESS WHEREOF the Guarantors have executed these presents the day and year first hereinabove written.

Signed Sealed and Delivered by

परिशिष्ट – 2

UNION BANK OF INDIA

GUARANTEE FOR LINE OF CREDIT AND TERM LOAN

This Guarantee for Line of Credit and Term Loan entered
Between
The Guarantor (as defined hereafter)

AND

The Bank (as defined hereafter)

ARTICLE - 1

PREAMBLE

WHEREAS

The Bank has Sanctioned/agreed to Sanction the credit facilities morefully described in Schedule 1 to this deed to the Barrower. The Guarantor, in consideration of the Bank agreeing to Sanction Credit Facilities to the Borrower, has agreed to Guarantee all the obligations of the Borrower, towards the Bank under or in connection with Credit Facilities.

NOW IN CONSIDERATION OF THE PREMISES THE GUARANTOR AGREES AS FOLLOWS :

ARTICLE-2

DEFINITIONS

As used throughout the Body of this Agreement, the following tersms shall have the following meaning assigned to them below. References to singular shall include references to plural and vice versa, and the following terms shall include all grammatical variations thereof.

2.1 'Account' means Account or Accounts opened or to be opened and kept by the Bank for the purpose of recording all or any transaction(s) in respect of Credit Facilities sanctioned or to be Sanctioned to the Borrower.

2.2 'Bank' means Union Bank of India, a Banking Company constituted under Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, and having its Head Office at Express Towers, Nariman Point, Mumbai-400 021 and Branch Office among other places all over India at..hereunder, which expression shall include its Successors-in-interest and assigns unless repugnant to the context thereto.

2.3 "Borrower' means person or person more fully described in Schedule II hereunder, which expression shall include its heirs, administrators, excutors, Trusteees, membes, Survivor(s), Successors-in-interest and assigns as the case may be, unless repugnant to the context thereto.

2.4 'Guarantor' means person or persons more fully described in Part A of Schedule III hereunder which expression shall include the Guarantor's heirs, legal representatives, executors, assigns, successors-in-interest as the case may be, unless repugnant to the context thereto.

2.5 All the terms used in this Agreement of Guarantee but not defined shall have the meaning assigned to them under the Facility Agreement dated.....................................executed by the Borrower.

ARTICLE-3

OBLIGATIONS OF THE GUARANTOR

3.1 **Guarantor guarantees due repayment of all liabilities of the Borrower on Demand** : The Guarantor hereby irrevocably and unconditionally guarantees to the Bank due payment and due discharge, two days after demand in writing, of all liabilities of the Borrower, whether present, future or contingent under Credit Facilities together with interest as agreed between the Bank and Borrower.

3.2 **Guarantor guarantees due payment of all charges and costs** : The Guarantor hereby irrevocably, and unconditionally guarantees to the Bank on demand, due payment or reimbursement of any/all charges, costs, expenses, including legal costs (being between Advocate and Client) and all such duties, taxes, insurance premia and other expenses, the Bank has incurred or may incure as a consequence of sanction of credit facilities to the Borrower and also as consequence of default of the terms, conditions and covenants Rupee Term Loan Agreement dated..by the Borrower.

3.2 **Guarantor to be Principal Debtor for the liabilites of the Borrwer** : The Guarantor hereby irrevocably agrees that for all the obligations of the Borrower, the Guarantor shall be primarily liable and the Guarantor's primary liability shall not be affected by any arrangement between the Borrower and the Bank.

3.4 **Guarantee to be continuing guarantee** : The Guarantor hereby irrevocably agrees that the guarantee given under these presents shall be continuing guarantee and shall not ordinarily be determined except with the consent of the Bank and only upon repayment of all liabilities by the Borrower to the Bank and the Bank giving written discharge to this effect.

3.5 **Guarantee not to be revoked or determined without prior notice** : The Guarantee shall not be revoked or determined unless three calendar months notice in writing of the intention to do so is given to the Bank and such revocation or determination shall take effect only after expiry of the period of notice and in the event of the Guarantor being a Company in liquidation, the liability of the Guarantor shall continue until the expiration of theree calendar months notice in writing given to the Bank of the intention of the liquidator ot determine this guarantee.

3.6 **Guarantee shall not be determined on the Insolvency or liquidation of the Borrower** : The guarantee shall not be determined on the insolvency or liquidation of the Borrower until the Bank gives written discharge.

3.7 **Guarantor's waiver of rights under the Law of Contract** : The Guarantor hereby expressly waives all the rights available under the Indian Contract Act, 1872 or any other law for the time being in force and further agrees that the Bank in its sole and absolute discretion and without any reference or notice to the Guarantor and without consent of the Guarantor, can renew, hold over any potion or whole of Credit Facilities give up any claim, remit the dues, compound, compromise and liabilities of the Borrower or enter into adjustment or vary the terms and conditions with the Borrower in respect of Credit Facilities without in any way affecting the liability of the Guarantor under this guarantee.

3.8 **Guarantor's benefit to the Seurities given by Borrower waived** : The Guarantor hereby agrees that the Guarantor's liability under this guarantee shall not in any way be reduced or discharged, by reason of the Bank losing or parting with the Securities given by the Borrower to the Bank.

3.9 **Guarantor's liability not dependent on the contract between the Bank and the Borrower** : The Guarantee hereby agrees that the liabilities incurred under these presents shall be independent of any contract or agreement between the Borrower and the Bank and discharge of the Borrower under any contract or agreement or Law or due to any act or omission of the Bank shall not, in any manner, affect the liabilities of the Guarantor under these presents.

3.10 **Guarantee for the ultimate balance** : This Guarantee shall be applicable to the ultimate balance due or that may become due to the Bank from the Borrower in respect of any or all Credit Facilities notweithstanidng that any or all Account(s) pertaining to Credit Facilites may in the meantime, or at any time (s) have been in credit or may have disclosed or reduced to nil balance, and until repayment of such balance, the Bank shall be entitled to retain, realise, or otherwise dispose of in such manner as the Bank may think fit any Securities now or hereinafter held by the Bank and without affecting the liability of the Guarantor, until the ultimate balance is satisfied.

3.11 **Guarantor not to compete with Bank** : In the event of Insolvency, Bankruptcty or Winding up of the Borrower the Guarantor shall not prove in competition with Bank any rights or remedies accrued to him under these presents or under any security taken from the Borrower prejudicially affecting Bank's interest, till all the liabilities of the Borrower towards the Bank are discharged and completely satisfied.

3.12 **Guarantor to give Securities as agreed** : The Guarantor agrees to give in Bank's favour any or all securities as the Bank may direct to secure all or any of the liabilities under these presents.

3.13 **Monies realised from the Guarantor to be appropriated as provided below :** The Guarantor agrees that monies received from the guarantors and those realised on sale of Guarantor's security shall be appropriated towards descharge of liabilities under this guarantee as follows.

(i) Firstly, towards costs, charges and other expenses and other money due and payable or becoming due and payable to the Bank.

(ii) Secondly, towards interest.

(iii) Lastly, towards the principal amount.

3.14 **Bank's claim to be conclusive and binding** : The Bank's claim as to the amount due and payable under the guarantee shall be conclusive and binding on the Guarantor.

3.15 **Maximum liability of the Guarant**or : The maximum liability (excluding interest, costs, charges and expenses) of the Guarntor under this Guarantee shall not exceed the amount mentioned in Part B of Schedule III to this Guarantee.

3.16 **Guarantor's liability not to be affected by the Bank continuing to deal with the Borrower after determination of Guarantee** : in the event of this guarantee being determined by notice either by the Guarantor or by the Guarantor's successors with the consent in writing of the Bank or by liquidator or by demand in writing by the Bank, it shall be lawful for the Bank to continue the Account/s with the Borrower notwihtstanding such determination, and the liability of the Guarantor or the Guarantor's successors for the amount due from the Borrower at the date when the Guarantee is so determined shall remain, notwithstanding any subsequent payment into or out of the Account by or on behalf of the Borrower.

3.17 **Guarantee shall be Security for the amounts outstanding in the accounts chosen at Bank's discretion** : Whenever the amount or amounts due from the Borrower exceed the limit for which the Guarantor is liable under this Guarantee, the Bank may if it thinks fit, elect in its sole and absolute discretion, which particular Accounts or items in respect of credit Facilities shall be considered as exclusively secured by this Guarantee. And the Bank shall be a liberty at any time in case of the payment by the Guarantor of any of the moneys hereby guaranteed to apply to such accounts or items in respect of Credit Faciliiteis and the liability of the Guarantor shall continue in respect of other accounts and items of Credit Facilities.

3.18 **Any Security taken by Guarantor from the Borrower to be given to Bank** : The Guarantor further undertakes that any Security taken, or that may be taken by the Guarantor, from the Borrower in respect of the Guarantor's liability under this Guarantee, shall not be prejudicial to the Bank's rights and the Guarantor shall forthwith deposit such Security with the Bank.

3.19 **This Guarantee shall extend to all negotiable instruments in circulation** : This Guarantee shall be enforceable against the Guarantor notwithstanding any negotiable or other securities referred to herein or to which this Guarantee may extend or be applicable, shall at the time of enforcement of this Guarantee be outstanding or in circulation.

ARTICLE 4

ADDITIONAL COVENANTS OF THE GUARANTOR IN RESPECT OF RUPEES TERM LOAN OF RS. ....CRORES

4.1 **Guarantor to be Indemnifier :** In consideration of the Bank agreeing to sanction or having Credit Facilities to the Borrower, the Guarantor hereby coverants and undertakes.

(a) To indemnify the Bank and keep the Bank fully indemnified and saved, defecded and harmless in respect of and against each and every payment made and obligation, liability, loss or damage undertaken or incurred or suffered by the Bank (whether directly or indirectly) under or in connection with all or any part of the above said Crdit Facilities or any renewal or extension or modification thereof.

(b) To pay the Bank on demand all such sum or sums of money as the Bank may pay under or in connection with all or any part of above said Credit Facilities together with interest thereon at the rate/s agreed between the Bank and the Borrower from time to time, from the date on which the Bank so pays until repayment by the Guarantor.

(c) Nothewithstanding the possibility, existence, pendency or continuance of any disputes or differences or any arbitration Proceeding or any suit or other legal proceedings whatsoever agaisnt the Borrower under or in connection with whole or any part of the above said Credit Facilities and/or between the Guarantor and the Bank which may directly or indirectly arise out of or under or in connection with the subject matter(s) of the above said Credit Facilities or which may affect the legality or validity of all or any of the transaction(s) directly or indirectly connected with or relating to or arising out of the subject matter(s) of above said Credit Facilities the reasonableness or propriety or validity of any such payment(s) made by the Bank to the insurers or the Government Authority or such persons to protect its interest in the security and in recovery of the all monies owed and payable in respect of Credit Facilities shall not be questioned by the Guarantor on any ground whatsoever and such payment shall be conclusive and binding on the Guarantor so far as it concerns the Guarantor's liability to the Bank hereunder.

(d) To pay to the Bank on demand all costs, charges, and expenses including the legal costs (being between Advocate and client) paid or incurred by the Bank in any wise concerning whole or any part of above said Credit Facilities and the Bank's obligations and liability thereunder and concerning the persents hereunder an the Bank's rights in respect thereof.

(e) That the Bank, two days after notice of demand for payment of the guaranteed amount under these presents on the guarantor shall be entitled without any furhter consent from the Guarantor to debit the account or accounts of the Guarantor at any of its Branches (whether Loan or Cash Credit or Overdraft Savings or Current or Fixed or Short Deposit or any other Accounts by whatsoever name called with all or any monies the Bank pays or may pay under or in respect of whole or any part of above said Credit Facilities and the Bank's obligations thereunder.

ARTICLE-5

GENERAL

5.1 GUARANTOR NOT TO CREATE ANY ENCUMBRANCE : The Guarantor hereby declares and assures that the Guarantor has not created in favour of any person (other than the Bank) any lien, charge, pledge, mortgage or other encumbrance over all or any of the Securityes given by the Guarantor to the Bank and have not borroweed any monies against the said Securities from any such person. The Guarantor further undertakes that so laong as the Guarantor continues to be indebted or liable to the Bank, the Guarantor shall not without the previous written consent of the Bank create or attempt to create in favour of any other person, lien charge, pledge or encumbrance over any or all Securities.

5.2 BANK MAY OPEN FRESH ACCOUNTS : It is hereby agreed that, if the Guarantee ceases for any cause to be binding as a continuing Security on the guarantor, the Bank may open a fresh Account or Accounts and continue any existing. Account with the Borrower and no money paid into such Account and subsequenctly drawn out by the Borrower shall, on settlement of any claim under this guarantee be appropriated towards or have the effect of payment of any part of moneys due from the Borrower at the time of this guarantee ceasing to be so binding as continuing Security in the absence of a derection in writing to appropriate, given to the Bank by the person paying such money.

5.3 ANY IRREGULARITY IN THE BORROWEING POWERS OF THE BORROWER, NOT TO AFFECT THE GUARANTOR'S LIABILITY : If the Borrower is a corporation or company or an unincorporated body or firm, the absenece or informality of the Borroweing powers on the part of Borrower or any irregularity in the exrcise thereof, shall not affect the liability of the Guarantor and any moneys due under any Sanctioned Credit Facility shall be deemed to be due and payable notwithstanding such absence or informality or irregularity and shall not affect the liabilities of the Guarantor under this guarantee.

5.4 LIABILITY OF THE GUARANTOR NOT TO BE AFFECTED BY CHANGE IN THE CONSTITUTION OF BORROWER : The liabilities under this gruarantee shall not be affected by any change in the name or constitution of the Borrower.

5.5 BORROWER TO BE AGENT OF THE GUARANTOR : The Guarantor agree that any acknowledgement by the Borrower on Guarantor's behalf of any or all liabilities and rights of the Bank agaisnt the Guarantor under this guarantee shall be deemed to be acknowldedgement by the Guarantor and the Borrower for said purpose shall be deemed to be agent of the Guarantor.

5.6 RIGHT TO COMBINE ACCOUNTS, RIGHT OF SET OFF AND APPROPRIATION RESERVED : The Bank shall have right at any time after notice of demand for payment under these presents to the Guarantor, to combine or consolidate or divide into two or more any or all Guarantor's accounts with the Bank, and/or to set off or transfer and appropriate any sum or sums standing to the credit of any one or more of such accounts (including without limitation the right to set off and appropriate by premature closing of deposit accounts) in or towards satisfaction of the liabilities of the Guarantor on any other account or any other respect, whether such liabilities be actual, or contingent, and several or joint.

5.7 INTERPRETATION : The words used in signular shall be construced as pural wherever the context so requires. The articles and clauses of this Agreement of Guarantee are severable and any illegality or unenforceability of any article or clause shall not affect the validity or legality of other Article or Clauses.

5.8 NOTICE OF DEMAND : A Demand in writing shall be deemed to have been duly given to the Guarantor or the legal representatives of any of the Guarantor, by sending the same by post or by Fax, Telex or Telegram or other Mode of communication addressed to addresee at the address or addressees written in Part A of Schedule III and shall be effectual notwithstanding any change of residence or death and notweithstanding notice thereof to Bank, and such demand shall be deemed to be received by Guarantor or legal representatives of the Guarantor as the case may be, twenty four hours after posting/communication thereof and shall be sufficient if signed by any officer of the Bank, and in proving such service it shall be suffeiciet to prove that the letter containing the demand was properly addressed and put into the Post Office or other Office.

5.9 BENEEFIT OF THIS GUARANTEE : The Guarantor hereby agrees that this Guarantee shall enure the benefit or the Bank's successors-in-interest and assigns.

5.10 GOVERNING LAW AND JURISDICTION : The Governing Law for the purpose of this guarantee shall be Indian Law and the Indian Courts have exclusive jurisdiection with respect ot any matter under this guarantee.

SCHEDULE I

DESCRIPTION CREDIT FACILITIES

Nature of Facilities	Limits	Rate of Interest	Commission

SCHEDULE II

DESCRIPTION OF BORROWER

1. Where the Borrower is a Company

a. Name :

b. Address of Registered Office :

c. Address of Principal place or Business/ Works, as the case may be. :

d. Permanent Account Number as alloted by Income Tax Department. :

SCHEDULE III

DESCRIPTION OF GUARANTOR

PART-A

a. Name :

b. Address of Registered Office :

c. Address of Principal place or Business/ Works, as the case may be. :

d. Permanent Account Number as alloted by Income Tax Department. :

Address : for Notice ....

....

....

PART-B

Maximum Liability of Guarantor : Rs. ....
(exclusive of interest thereon)

IN WITNESS WHEREOF the Guarantor has executed this Agreement of Guarantee on this...

day of ....199....................at..

....
Signature and Seal

NOTE : This agreement is not to be attested.

वन विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जशपुर उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-जशपुर (छ.ग.), तहसील-जशपुर नगर, वन मण्डल-जशपुर, वन परिक्षेत्र-मनोरा

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	रेमने	08 रेमने	288/15	2.833	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 4.
			288/6	2.833	**पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 4 से 9 एवं कक्ष क्र. पी 458 सीमा रेखा.
			288/7	2.833	
			288/8	2.833	**दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 9 से 12
			288/3	2.833	**पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 12 से 17 एवं मुनारा क्र. 17 से 1 एवं कक्ष क्र. पी 453 की सीमा.
			288/1 (क)	1.416	
			288/4 (ख)	1.416	
			288/4 (ग)	0.708	
			284	2.517	
			158/1	0.178	
			181/2	0.809	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			286/2	2.023	
			288/2	2.023	
			286/3	0.809	
			288/9	2.833	
			288/11	2.833	
			288/5	2.833	
			288/10	2.833	
		योग	**18**	**37.396**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Jashpur Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Jashpur (C.G.), Tahsil-Jashpur Nagar, Forest Division-Jashpur, Forest Range- Manora

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Remne	08 Remne	288/15 288/6	2.833 2.833	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 1 to 4.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Remne	08 Remne	288/7	2.833	**East :** Artificial Boundary Line Surve Pillar No. 4 to 9 and Compartment No. P 458 Boundary Line.
			288/8	2.833	
			288/3	2.833	
			288/1 (a)	1.416	**South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 9 to 12.
			288/4 (b)	1.416	
			288/4 (c)	0.708	**West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 12 to 17 and Pillar No. 17 to 1 and Compartment No. P 453 Boundary.
			284	2.517	
			158/1	0.178	
			181/2	0.809	
			286/2	2.023	
			288/2	2.023	
			286/3	0.809	
			288/9	2.833	
			288/11	2.833	
			288/5	2.833	
			288/10	2.833	
		Total	**18**	**37.396**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सूरजपुर उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-सूरजपुर, तहसील-भैयाथान, वन मण्डल-सूरजपुर, वन परिक्षेत्र-सूरजपुर

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	चिरूवा	12, बैजनाथपुर	67	1.000	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 07.
			68/2	0.140	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			69	1.850	**पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 07 से कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 12, कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 14 एवं कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 16.
			70	0.550	
			72	0.530	
			73	2.020	
			74	0.220	**दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 16 से कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 25.
			535/2	0.760	
			535/3	0.328	**पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 25 से कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 27, कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 30, कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 31, कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 33 एवं कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 01.
		योग	**9**	**7.398**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Surajpur Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Surajpur, Tahsil-Bhaiyathan Forest Division-Surajpur, Forest Range- Surajpur

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Chiruwa	12, Baijnathpur	67	1.000	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 1 to artificial boundary line Survey Pillar No. 07.
			68/2	0.140	
			69	1.850	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			70 72 73 74 535/2 535/3	0.550 0.530 2.020 0.220 0.760 0.328	**East :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 07 to artificial boundary line Survey Pillar No. 12, Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 14 and Artificial boundary line Survey Pillar No. 16. **South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 16 artificial boundary line Survey Pillar No. 25. **West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 25 to artificial boundary line Survey Pillar No. 27, artificial Boundary Lune Survey Pillar No. 30 artificial boundary Line Survey Pillar No. 31 artificial boundary line Survey Pillar No. 33 and arti ficial boundary line Survey Pillar No. 01.
		Total	**9**	**7.398**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जांजगीर-चांपा उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-जांजगीर-चांपा, तहसील-अकलतरा, वन मण्डल-जांजगीर-चांपा, वन परिक्षेत्र-बलौदा

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	इंदिरा वन उद्यान अकलतरा	अकलतरा प.ह.क्र. 14	2183 2180 2184 1279	28.924 61.134 77.942 0.826	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 2 **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुराना क्र. 2 से 17 **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुराना क्र. 17 से 27 **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुराना क्र. 27 से 36 एवं क्र. 36 से 1.
		योग	**4**	**168.82**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ला, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Janjgir Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Janjgir-Champa, Tahsil-Akaltara Forest Division-Janjgir-Champa, Forest Range- Baloda

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Indira Van Udyan Akaltara	Akaltara P.H.No. 14	2183 2180 2184 1279	28.924 61.134 77.942 0.826	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 1 to 2. **East :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 2 to 17. **South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 17 to 27. **West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 27 to 36 and No. 36 to 1.
		Total	**4**	**168.82**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त

अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कटघोरा उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-कोरबा, तहसील-कटघोरा वन मण्डल-कटघोरा वन परिक्षेत्र-कटघोरा

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	ढेलवाडीह ब	30 भेजीनारा	210/1 220/9	56.000 1.000	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 11 से 14 पूर्व की ओर, 14 से 15 दक्षिण की ओर, 15 से 17 पूर्व की ओर, 17 से 19 उत्तर की ओर, 19 से 21 पूर्व की ओर, 21 से 23 उत्तर की ओर, 23 से 25 पूर्व की ओर, 25 से 26 दक्षिण की ओर, 26 से 27 पूर्व की ओर, 27 से 28 उत्तर की ओर, 28 से 29 पूर्व की ओर, 29 से 33 दक्षिण की ओर, 33 से 35 पूर्व की ओर, 35 से 37 दक्षिण की ओर, 37 से 39 पूर्व की ओर, 39 से 42 उत्तर की ओर, 42 से 44 पूर्व की ओर, 44 से 46 दक्षिण की ओर, 46 से 47 पूर्व की ओर. **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 47 से 49 दक्षिण की ओर, 49 से 51 पश्चिम की ओर, 51 से 52 दक्षिण की ओर, 52 से 53 पूर्व की ओर, 53 से 54 दक्षिण की ओर, 54 से 55 पश्चिम की ओर, 55 से 58 दक्षिण की ओर, 58 से 60 पूर्व की ओर, 60 से 68 तक दक्षिण की ओर. **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 68 से 73 उत्तर की ओर, 73 से 75 पश्चिम की ओर, 75 से 76 दक्षिण की ओर, 76 से 77 पश्चिम की ओर, 77 से 78 उत्तर की ओर, 78 से 79 पश्चिम की ओर, 79 से 83 उत्तर की ओर, 83 से 86 पश्चिम की ओर, 86 से 87 उत्तर की ओर, 87 से 89 पश्चिम की ओर, 89 से 91 दक्षिण की ओर, 91 से 93 पश्चिम की ओर, 93 से 94 दक्षिण की ओर, 94 से 95 पश्चिम की ओर, 95 से 96 एवं 96 से 2 दक्षिण की ओर, 2 से 5 पश्चिम की ओर, इस खंड के मुनारा क्र. 82 से 150 मी. पर शुकलाखार गांव स्थित है. **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 5 से 7 उत्तर की ओर, 7 से 9 पूर्व की ओर, 9 से 11 उत्तर की ओर.
			02	**57.000**	
		30 अरदा	233 238 239/1	0.300 0.320 24.500	
			03	**25.120**	
		30 शुकलाखार	1/1 22/1क	12.000 4.500	
			02	16.500	
		30 हर्राभाटा	103/1 23/1 333/1	50.000 11.500 6.500	
			03	**68.000**	
			मसाहती	27.190	
			0	**27.190**	
		30 बिरकोना	1/1 73	37.500 12.500	
			02	**50.000**	
		31 मोरगा			
		योग	**12**	**243.810**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

अतुल कुमार शुक्ला, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Katghora Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Korba, Tahsil-Katghora, Forest Division-Katghora, Forest Range- Katghora

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Dhelwadih B	30 Bhejinara	210/1	56.000	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 11 to 14 towards East, 14 to 15 towards South, 15 to 17 towards East 17 to 19 towards North 19 to 21 towards East, 21 to 23 twords North, 23 to 25 twords East, 25 to 26 towards South, 26 to 27 twords East, 27 to 28 towards North, 28 to 29 towards East, 29 to 33 towards South, 33 to 35 towards East, 35 to 37 towards South, 37 to 39 towards East, 39 to 42 towards North, 42 to 44 towards East, 44 to 46 towards South, 46 to 47 towards East.
			220/9	1.000	
			02	**57.000**	
		30 Arda	233	0.300	
			238	0.320	
			239/1	24.500	
			03	**25.120**	
		30 Suklakhar	1/1	12.000	
			22/1k	4.500	
			02	**16.500**	**East :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 47 to 49 towards South, 49 to 51 towrds West, 51 to 52 towards South, 52 to 53 towards East, 53 to 54 towards South, 54 to 55 towards West, 55 to 58 towards South, 58 to 60 towards East, 60 to 68 towards South.
		30 Harrabhata	103/1	50.000	
			23/1	11.500	
			333/1	6.500	
			03	**68.000**	
			Unserved	27.190	**South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 68 to 73 towards North, 73 to 75 towards West, 75 to 76 towards South, 76 to 77 towards
			0	**27.190**	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		30 Birkona	1/1 73	37.500 12.500	West, 77 to 78 towards North, 78 to 79 towards West, 79 to 83 towards North, 78 to 79 towards West, 79 to 83 towards North, 83 to 86 towards West, 86 to 87 towards North, 87 to 89 towards West, 89 to 91 towards South, 91 to 93 towards West, 93 to 94 towards South, 94 to 95 towards West, 95 to 96 & 96 to 2 towards South, 2 to 5 towards West, Shuklakhar village is situated 150 mt. for from the piller No. 82 of the block.
			02	**50.000**	
		31 Morga			**West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 5 to 7 towards North, 7 to 9 to 11 towards North.
		Total	**12**	**243.810**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भानुप्रतापपुर उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-कांकेर, तहसील-अंतागढ़, वन मण्डल-पूर्व भानुप्रतापपुर, वन परिक्षेत्र-अंतागढ़

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	घोटुलबेडा	7 घोटुलबेडा	58 59 60 63	1.290 0.070 3.390 2.930	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 2 **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 2 से 6 **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 6 से 8 **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 8 से 9 एवं 9 से 1.
		योग	**4**	**7.680**	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	बोंदानार	6 बोंदानार	47	0.670	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 2
			48	0.500	**पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 2 से 7
			98	0.850	**दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 7 से 9
			99	0.140	**पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 9 से 11 एवं 11 से 1.
			100	4.800	
			106	0.820	
		योग	**6**	**7.780**	
3.	मासबरस-सी	3 मासबरस	411	24.500	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 5
		4 लामपुरी	25/1	3.000	**पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 5 से 14
			25/2	3.460	**दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 14 से 21
			49	11.000	**पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 21 से 23 एवं 23 से 1.
					टीप — अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकरों की मान्यता) अधिनियम, 2006.
					खसरा क्र. — रकबा हे.
					411 — 0.580
					25/1 — 2.310
					49 — 2.200
					योग 3 — 5.090
		योग	**04**	**41.960**	
		महायोग	**14**	**57.420**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 31 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Bhanupratappur Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any

land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Kanker , Tahsil-Antagarh Forest Division-East Bhanupratappur, Forest Range- Antagarh

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Gotulbeda	7 Gotulbeda	58 59 60 63	1.290 0.070 3.390 2.930	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 1 to 2. **East :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 2 to 6. **South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 6 to 8. **West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 8 to 9 and 9 to 1.
		Total	**4**	**7.680**	
2.	Bondanar	6 Bondanar	47 48 98 99 100 106	0.670 0.500 0.850 0.140 4.800 0.820	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 1 to 2. **East :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 2 to 7. **South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 7 to 9. **West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 9 to 11 and 11 to 1.
		Total	**6**	**7.780**	
3.	Masbaras-C	3 Masbaras 4 Lampuri	411 25/1 25/2 49	24.500 3.000 3.460 11.000	**North :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 1 to 5. **East :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 5 to 14. **South :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 14to 21. **West :** Artificial Boundary Line Survey Pillar No. 21 to 23 & 23 to 1. **Note —** Anusuchit Jan Jati Aur Anya Parmparagat Van Niwasi (Van Adhikaro ki Manyta) Adhiniyam 2006. Khasra No. — Area He. 411 — 0.580 25/1 — 2.310 49 — 2.200 **Total 3 — 5.090**
		Total	**04**	**41.960**	
		G. Total	**14**	**57.420**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मोहला उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-राजनांदगांव, तहसील-मोहला, वन मण्डल-राजनांदगांव, वन परिक्षेत्र-पानाबरस

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	पाटनखास अ	01 पाटनखास	94	0.356	**उत्तर :** पाटनखास गांव की सीमा रेखा अस्थाई मुनारा क्र. 1 से 12.
			53/1	0.761	**पूर्व :** पाटनखास गांव की सीमा रेखा अस्थाई मुनारा क्र. 13 से 26.
			55	0.741	**दक्षिण :** पाटनखास गांव की सीमा रेखा अस्थाई मुनारा क्र. 27 से 33
			87	0.352	**पश्चिम :** पाटनखास गांव की सीमा रेखा अस्थाई मुनारा क्र. 34 से 44.
			90, 91	0.390	
			92/4	3.307	
		योग	**6**	**5.907**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and

within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Mohla Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Rajnandgaon , Tahsil-Mohla Forest Division-Rajnandgaon Forest Range- Panabaras

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1.	Paran Khas A	01 Patan Khas	94	0.356	**North :**	Boundary Line of Patankhas village of Temporary Pillar No. 1 to 12.
			53/1	0.761		
			55	0.741	**East :**	Boundary Line of Patankhas village of Temporary Pillar No. 13 to 26.
			87	0.352		
			90, 91	0.390	**South :**	Boundary Line of Patankhas village of Temporary Pillar No. 27 to 33.
			92/4	3.307	**West :**	Boundary Line of Patankhas village of Temporary Pillar No. 34 to 44.
		Total	**6**	**5.907**		

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भानुप्रतापपुर, उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-उत्तर बस्तर कांकेर, तहसील-दुर्गूकोन्दल, वन मण्डल-पूर्व भानुप्रतापपुर, वन परिक्षेत्र-दुर्गूकोन्दल

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1.	कर्रामाड़ "अ"	16-कर्रामाड़	264	4.540	**उत्तर :**	कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 01 से 12
					पूर्व :	कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 12 से 13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
					दक्षिण : कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 13 से 24 **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 24 से 01
		योग	**1**	**4.540**	
2.	कर्रामाड़ "ब"	16 कर्रामाड़	492	10.180	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 01 से 06. **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 06 से 08. **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 08 से 11 **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा मुनारा क्र. 11 से 01
		योग	**1**	**10.180**	
		कुल योग	**2**	**14.720**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Bhanupratappur Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- North Bastar Kanker, Tahsil-Durgukondal Division-East Bhanupratappur, Forest Range- Durgukondal

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Karramar "A"	16-Karramar	264	4.540	**North :** Artificial Boundary Line pillar No. 1 to 12.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
					East : Artificial Boundary Line Pillar No. 12 to 13. **South :** Artificial Boundary Line Pillar No. 13 to 24. **West :** Artificial Boundary Line Pillar No. 24 to 01.
		Total	**1**	**4.540**	
2.	Karramar "B"	16-Karramar	492	10.180	**North :** Artificial Boundary Line pillar No. 01 to 06. **East :** Artificial Boundary Line Pillar No. 06 to 08. **South :** Artificial Boundary Line Pillar No. 08 to 11. **West :** Artificial Boundary Line Pillar No. 11 to 01.
		Total	**1**	**10.180**	
		G. Total	**2**	**14.720**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अम्बिकापुर, उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-सरगुजा, वनमण्डल-सरगुजा वनमण्डल, अम्बिकापुर, तहसील-लखनपुर, परिक्षेत्र-मैनपाट

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	सीमाओं का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	डांडकेसरा (अ)	31/डांडकेसरा	22 2	75.000 35.000	**उत्तर :** आ.व. सीमा रेखा कक्ष क्र. पी.-2285 से कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 01 से 07.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			23	12.000	**पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 7 से 18.
			25/1	25.000	**दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 18 से 19.
					पश्चिम : कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 19 से 20 एवं आ.व. सीमा रेखा कक्ष क्र. पी.-2334 एवं आ.व. सीमा रेखा कक्ष क्र. पी.-2285.
		योग	**4**	**147.000**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Ambikapur Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Surguja, Forest Division-Surguja, Forest Division-Ambikapur, Tahsil-Lakhanpur, Range- Mainpat

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Description of boundaries
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Dandkesara (A)	31/Dandkesara	22	75.000	**North :** R. F. Boundary Line compartment No. P.-2285 to artificial Boundary Line Survey pillar No. 01 to 07.
			2	35.000	
			23	12.000	
			25/1	25.000	**East :** Artificial Boundary Line Survey pillar No. 7 to 18.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Dandkesara	31/Dandkesara			**South :** Artificial Boundary Line Survey pillar No. 18 to 19. **West :** Artificial Boundary Line Survey pillar No. 19 to 20 and R. F. Boundary Line compartment No. P.-2334 and R.F. Boundary Line Compartment No. P.-2285.
		Total	**4**	**147.000**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़, उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-रायगढ़, वनमण्डल-रायगढ़, तहसील-सारंगढ़, वन परिक्षेत्र-सारंगढ़

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	खैरट	खैरट (अ)	57/2	0.111	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेख सर्वे मुनारा क्र. 1 से 2.
		प.ह.क्र. 43	58/1	0.160	**पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 2 से 7.
			58/2	0.178	**दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 7 से 10.
			59	0.227	**पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 10 से 1.
			60	0.157	
			61/1	0.038	
			61/2	0.416	
			61/3	0.466	
			61/4	0.113	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			61/6	0.038	
			61/7	0.138	
			61/10	0.152	
			61/11	0.171	
			61/14	0.163	
			61/16	0.101	
			61/18	0.044	
			61/20	0.096	
			63/3	0.085	
			107	0.129	
			108	0.166	
			109/1	0.133	
			109/4	0.045	
			110/1	0.247	
			110/2	0.396	
			111/1	0.926	
			111/2	0.927	
			111/3	0.928	
			112/1	0.332	
			112/2	0.328	
			114/2	0.202	
			115/1	0.491	
			115/2	0.491	
			115/3	0.491	
			117/1	0.332	
			117/2	0.300	
			117/3	0.300	
			118/1	0.311	
			118/2	0.311	
			118/3	0.313	
			119/1	0.322	
			119/2	0.323	
			119/3	0.322	
			124/1	0.168	
			135/2	0.304	
			135/4	0.162	
			135/7	0.337	
			137/1	0.292	
			137/2	0.425	
			137/4	0.096	
			137/6	0.044	
			137/7	0.356	
			137/8	0.184	
			137/10	0.044	
			137/11	0.044	
			137/12	0.128	
			137/13	0.044	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			137/16	0.142	
		योग	**57**	**14.69**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Sarangarh Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Raigarh, Forest Division-Raigarh, Tahsil-Sarangarh, Forest Range- Sarangarh

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Khairat	Khairat (A) P.H. No. 43	57/2	0.111	**North :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 1 to 2.
			58/1	0.160	
			58/2	0.178	**East :** Artificial Boundary line Survey Pillar No. 2 to 7.
			59	0.227	
			60	0.157	**South :** Artificial Boundary line Survey Pillar No. 7 to 10.
			61/1	0.038	
			61/2	0.416	**West :** Artificial Boundary line Survey Pillar No. 10 to 1.
			61/3	0.466	
			61/4	0.113	
			61/6	0.038	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			61/7	0.138	
			61/10	0.152	
			61/11	0/171	
			61/14	0.163	
			61/16	0.101	
			61/18	0.044	
			61/20	0.096	
			63/3	0.085	
			107	0.129	
			108	0.166	
			109/1	0.133	
			109/4	0.045	
			110/1	0.247	
			110/2	0.396	
			111/1	0.926	
			111/2	0.927	
			111/3	0.928	
			112/1	0.332	
			112/2	0.328	
			141/2	0.202	
			115/1	0.491	
			115/2	0.491	
			115/3	0.491	
			117/1	0.332	
			117/2	0.300	
			117/3	0.300	
			118/1	0.311	
			118/2	0.311	
			118/3	0.313	
			119/1	0.322	
			119/2	0.323	
			119/3	0.322	
			124/1	0.168	
			135/2	0.304	
			135/4	0.162	
			135/7	0.337	
			137/1	0.292	
			137/2	0.425	
			137/4	0.096	
			137/6	0.044	
			137/7	0.356	
			137/8	0.184	
			137/10	0.044	
			137/11	0.044	
			137/12	0.128	
			137/13	0.044	
			137/16	0.142	
		Total	**57**	**14.69**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मरवाही, उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-बिलासपुर, वनमण्डल-मरवाही, तहसील-मरवाही वन परिक्षेत्र-मरवाही

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	रकबा हेक्टेयर में	अवस्थिति/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	मरवाही	दानीकुण्डी प.ह.क्र. 26	139/1 (ठ)	0.101	**उत्तर :** शासकीय राजस्व भूमि खसरा नं.-139/1 का भाग, श्री माधो, भोला एवं केवल सिंह, भूमि का प्रस्तावित मुनारा क्र.-1 से 39.
			139/1 (ण), 139/10, 146/2	1.432	
			139/1 (त)	0.028	**दक्षिण :** शासकीय राजस्व भूमि, ग्राम रोड, नदी खसरा नं.-173/5 (क) का भाग प्रस्तावित मुनारा क्र.-53 से 67 एवं मुनारा क्र.-84 से 100.
			139/1 (थ)	0.255	
			139/1 (द)	0.397	
			139/1 (म)	0.255	**पूर्व :** शासकीय राजस्व भूमि, खसरा नं.-180 का भाग एवं आवादी, प्रस्तावित मुनारा क्र.-40 से 52.
			139/1 (ह)	0.081	
			139/2	0.364	
			139/3 (क)	0.312	**पश्चिम :** शासकीय राजस्व भूमि, खसरा नं.-173/5 क एवं 139/4 सुभरण, भैयालाल की भूमि प्रस्तावित मुनारा क्र.-68 से 83 एवं मुनारा क्र.-101 से 111.
			143	0.081	
			144	0.364	
			147	0.344	
			148	0.065	
			149	0.409	**नोट :—** प्रस्तावित मुनारा क्र. 112 से 118 द्वारा घिरे भूमि क्षेत्र (खसरा क्र.-145 एवं 166/1) को छोड़कर.
			161	0.154	
			162	0.267	
			164	0.506	
			165/1	0.470	
			165/2	0.641	
			166/2	0.101	
			167/1	0.219	
			167/2	0.194	
			168	0.737	
			170	0.324	
			171	0.829	
			172	0.624	
			173/1 (झ)	0.113	
			173/5 (ख)	2.269	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			173/5 (ग), 180/8	0.902	
			173/5 (च)	0.251	
			173/5 (झ)	0.113	
			173/5 (ट)	0.466	
			173/5 (ठ)	0.567	
			173/5 (ढ)	0.049	
			173/5 (ण), (180/9)	0.299	
			173/5 (त), (180/17)	0.603	
			173/5 (द)	0.049	
			173/6	0.308	
			173/8 (175/2)	0.774	
			174/2	0.259	
			174/3 (176/2, 179/2)	1.153	
			178/3	0.430	
			180/2	0.202	
			180/3	0.202	
			180/4	0.154	
			180/5	0.008	
			180/6	0.255	
			180/7	0.081	
			180/11	0.235	
			180/14	0.194	
			183/1 (ख)	1.408	
			183/3 (ब)	0.709	
			183/4	0.688	
			183/8	2.059	
		योग	**55**	**24.447**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Marwahi Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Bilaspur, Forest Division-Marwahi, Tahsil-Marwahi, Forest Range- Marwahi

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasara Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Marwahi	Danikundi P.H. No. 26	139/1 tha (ठ)	0.101	**North :** Govt. Revenue Land Khasra No.- Part of 139/1, Land of Shri Madho, Bhola and Keval Singh, Proposed Pillar No.- 1 to 39.
			139/1 ana (ण) (139/10, 146/2	1.432	
			139/1 ta (त)	0.028	
			139/1 tha (थ)	0.255	**South :** Govt. Revenue Land, Village Road, River Khasra No.-Part of 173/5 (क) Proposed Pillar No. 53 to 67 & Pillar No.-84 to 100.
			139/1 da (द)	0.397	
			139/ma (म)	0.255	
			139/bha (भ)	0.093	
			139/1 ha (ह)	0.081	**East :** Govt. Revenue Land Khasra No.- Part of 180 and Aavadi, Proposed Pillar No.-40 to 52.
			139/2	0.364	
			139/3 ka (क)	0.312	
			143	0.081	**West :** Govt. Revenue Land Khasra No.- 173/5 क and 139/4, Land of Subharan, Bhaiya Lal, Proposed Pillar No.-68 to 83 & Pillar No.-101 to 111.
			144	0.364	
			147	0.344	
			148	0.065	
			149	0.409	
			161	0.154	
			162	0.267	**Note :—** Excluding Land area enclosed by Proposed Pillar No.-112 to 118 (khasra No.-145 & 166/1).
			164	0.506	
			165/1	0.470	
			165/2	0.641	
			166/2	0.101	
			167/1	0.219	
			167/2	0.194	
			168	0.737	
			170	0.324	
			171	0.829	
			172	0.624	
			173/1 jha (झ)	0.113	
			173/5 kha (ख)	2.269	
			173/5 ga (ग), 180/8	0.902	
			173/5 cha (च)	0.251	
			173/5 jha (झ)	0.113	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			173/5 ta (ट)	0.466	
			173/5 tha (ठ)	0.567	
			173/5 dha (ढ)	0.049	
			173/5 ana (ण) [180/9]	0.299	
			173/5 ta (त) [180/17]	0.603	
			173/5 da (द)	0.049	
			173/6	0.308	
			173/8 [175/2]	0.774	
			174/2	0.259	
			174/3 [176/2, 179/2]	1.153	
			178/3	0.430	
			180/2	0.202	
			180/3	0.202	
			180/4	0.154	
			180/5	0.008	
			180/6	0.255	
			180/7	0.081	
			180/11	0.235	
			180/14	0.194	
			183/1 kha (ख)	1.408	
			183/3 ba (ब)	0.709	
			183/4	0.688	
			183/8	2.059	
		Total	**55**	**24.447**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), घरघोड़ा उप-खण्ड को वन

व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-रायगढ़, वनमण्डल-रायगढ़, तहसील-तमनार, वन परिक्षेत्र-तमनार.

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	अवस्थित/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	बरपाली	08 बरपाली	16/2	3.461	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 2. **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 2 से 3. **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 3 से 4. **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 4 से 1.
		योग	**1**	**3.461**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Gharghoda Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the

provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Raigarh, Forest Division-Raigarh, Tahsil-Tamnar, Forest Range- Tamnar

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasra Numbers	Area in Hectare	Location/Boundaries
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Barpali	08 Barpali	16/2	3.461	**North :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 1 to 2. **East :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 2 to 3. **South :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 3 to 4. **West :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 4 to 1.
		Total	**1**	**3.461**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), छुईखदान उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-राजनांदगांव, तहसील-छुईखदान, वनमण्डल-खैरागढ़, वन परिक्षेत्र-गंडई

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	रकबा हेक्टेयर में	अवस्थिति एवं सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	पीएफ-सेतवा	प.ह.क्र. 06 रा.ग्रा.-बेंगरी	134	1.983	**पूर्व :** सिंचाई की शेष भूमि रकबा प.ह. क्र. 06 खसरा क्र. 134. **पश्चिम :** पैलीमेटा भूमि संरक्षित वन कक्ष क्र. पी-15.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
					उत्तर : क्षतिपूर्ति वनीकरण वृक्षारोपण भूमि प.ह. क्र. 06 खसरा क्र. 134, रकबा 24.66 हेक्टे. का क्षेत्र.
					दक्षिण : सिंचाई की शेष भूमि क्षेत्र प.ह. क्र. 06 खसरा क्र. 134.
					टीप :— प्रस्तावित वनखण्ड के अधीन वन अधिकार क्षेत्र उपलब्ध नहीं है.
					पी 1-एन- 21° 41' 41.01" ई-080° 58' 48.04"
					पी 2-एन- 21° 41' 38.07" ई-080° 59' 5.07"
					पी 3-एन- 21° 41' 37.44" ई-080° 59' 5.61"
					पी 4-एन- 21° 41' 36.33" ई-080° 59' 3.79"
					पी 5-एन- 21° 41' 32.28" ई-080° 59' 4.38"
					पी 6-एन- 21° 41' 33.49" ई-080° 58' 54.21"
					पी 7-एन- 21° 41' 36.07" ई-080° 58' 53.03"
					पी 8-एन- 21° 41' 36.00" ई-080° 59' 50.6"

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Chhuikhadan Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the

provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Rajnandgaon, Tahsil-Chhuikhadan, Forest Division-Khairagarh, Forest Range- Gandai

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasra Numbers	Area (in Hectare)	Situation and Limits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	PF-Setwa	P.H. No. 06 R.V.-Bengri	134	1.983	**East :** Irrigation Balance Land Area PH No. 06 Khasra No. 134. **West :** Pailymeta Land Reserve Forest Compartment, No. P-15. **North :** Compensatory Afforestation Plantation Land PH No. 06, Khasra No. 134, Area of Rakba 24.66 Hac. **South :** Irrigation Balance Land Area PH No. 06 Khasra No. 134. **Note :—** Forest Jurisdiction not available under the Proposed Forest Block. P1-N-21°41'41.01" E-080°58'48.04" P2-N-21°41'38.07" E-080°59'5.07" P3-N-21°41'37.44" E-080°59'5.61" P4-N-21°41'36.33" E-080°59'3.79" P5-N-21°41'32.28" E-080°59'4.38" P6-N-21°41'33.49" E-080°58'54.21" P7-N-21°41'36.04" E-080°58'53.03" P8-N-21°41'36.00" E-080°58'50.6"

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतदद्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमशः यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दन्तेवाड़ा उप-खण्ड को वन

व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा, वनमण्डल-दन्तेवाड़ा, तहसील-दन्तेवाड़ा, वन परिक्षेत्र-दन्तेवाड़ा

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	रकबा हेक्टेयर में	अवस्थिति/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	फूलपाड	42	144/1	1.100	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 2 **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 2 से 3 **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 3 से 4 **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 4 से 1
		योग	**1**	**1.100**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Dantewada Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the

provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Dakshin Bastar Dantewada, Forest Division-Dantewada, Tahsil-Dantewada, Forest Range- Dantewada

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khasra Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Phoolpad	42	144/1	1.100	**North :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 1 to 2. **East :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 2 to 3. **South :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 3 to 4. **West :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 4 to 1.
		Total	**1**	**1.100**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2.—भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह घोषित करती है कि नीचे उल्लिखित अनुसूची के कॉलम (4) एवं (5) में क्रमश: यथा दर्शित निम्नलिखित खसरा नम्बर एवं क्षेत्र की भूमि को, उक्त अनुसूची के कॉलम (6) में यथा विनिर्दिष्ट अवस्थिति एवं सीमाओं के भीतर आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चय किया गया है, और उक्त अनुसूची में समाविष्ट किसी भूमि में या उस पर अथवा किसी वनोपज में या उस पर किसी व्यक्ति के पक्ष में कथित रूप से विद्यमान किसी अधिकार की विद्यमानता, प्रकृति एवं सीमा की जांच और निर्धारण के लिये और उक्त अधिनियम के अध्याय दो के उपबंधों के अनुसार उसका निराकरण करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कांकेर उप-खण्ड को वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

जिला-कांकेर, वनमण्डल-कांकेर, तहसील-कांकेर, वन परिक्षेत्र-कांकेर

स. क्र.	वन खण्ड का नाम	पटवारी हल्का क्र. एवं राजस्व ग्राम, जहां वन खण्ड स्थित है	खसरा क्रमांक	रकबा हेक्टेयर में	अवस्थिति/सीमाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	बरदेवरी "स" ओए 333	बरदेवरी प.ह.क्र. 03	279	5.450	**उत्तर :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 **पूर्व :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 1 से 4 **दक्षिण :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 4 से 7 **पश्चिम :** कृत्रिम सीमा रेखा सर्वे मुनारा क्र. 7 से 10 एवं 10 से 1.
		योग	**1**	**5.450**	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		कन्हारपुरी	392	0.930	
			542	2.050	
		योग	**2**	**2.980**	
		कुल योग	**3**	**8.430**	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

नया रायपुर, दिनांक 13 जनवरी 2017

क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 7-8/2013/10-2 (पार्ट), दिनांक 13-01-2017 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अतुल कुमार शुक्ल, सचिव.

Naya Raipur the 13th January 2017

No. F 7-8/2013/10-2.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Indian Forest Act, 1927 (No. 16 of 1927), the State Government, hereby, declares that it has been decided to constitute the following land with Khasra Number and area as shown in column (4) and (5) respectively of the Schedule mentioned below and within such situation and limits as specified in column (6) of the said Schedule as Reserved Forest and, appoints the Sub-Divisional Officer (Revenue), Kanker Sub-Division to act as the Forest Settlement-Officer to inquire into and determine the existence, nature and extent of any rights alleged to exist in favour of any person in or over any land comprised in the said Schedule or in or over any forest-produce and to deal with the same in accordance with the provisions of Chapter II of the said Act namely :—

SCHEDULE

District- Kanker, Forest Division-Kanker Tahsil-Kanker, Forest Range- Kanker

S. No.	Name of Forest Block	Patwari Halka No. and Name of Revenue Village where Block situated	Khas ra Numbers	Area in Hectare	Situation/Limit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Bardevari 'C' OA 333	Bardevari P.H. No. 03	279	5.450	**North :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 1.
		Total	**1**	**5.450**	**East :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 1 to 4.
		Kanharpuri	392	0.930	**South :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 4 to 7.
			542	2.050	**West :** Artificial Boundary line Survey pillar No. 7 to 10 and 10 to 1.
		Total	**2**	**2.980**	
		Total	**3**	**8.430**	

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ATUL KUMAR SHUKLA, Secretary.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/389/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	बीजाभाट	34	5.599	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-आलेसुर पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	22
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	5.599 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/393/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	राजाढ़ार	41	4.226	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-राजाढ़ार पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	30
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	4.226 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/396/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	खोखली	06	0.472	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-खोखली पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	05
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	0.472 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/400/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	कोड़ापार	05	2.038	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-कोड़ापार पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	02
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	2.038 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/404/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	धौराभाठा	18	2.251	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-ढाबाडीह पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	13
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	2.251 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/408/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	मुढ़ीपार	1	1.932	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-कोड़ापार पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	1
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	1.932 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 18 अप्रैल 2017

क्रमांक/412/भू-अर्जन/भू.अ.प्र.क्र. 07/अ/82 वर्ष 2015.—भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात् :—

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			कुल खसरा	कुल रकबा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	भाटापारा	गोगिया	86	7.848	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11-5-17 को (समय) 11.00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत-गोगिया पर नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि का अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

एक	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	—	भाटापारा बायपास मार्ग निर्माण
दो	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	45
तीन	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या	—	निरंक
चार	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	7.848 हे. भूमि
पांच	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या.	—	निरंक
छः	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	—	हां.
सात	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	—	हां
आठ	परियोजना की कुल लागत	—	5400 लाख
नौ	परियोजना से होने वाला लाभ	—	शहरी यातायात भारी वाहन से मुक्त एवं सुरक्षित होगा, तथा यातायात सुगम होगा.
दस	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय.	—	अधिनियम के अंतर्गत प्रतिपूर्ति हेतु व्यय का प्रावधान किया जायेगा.
ग्यारह	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	—	निरंक

उपरोक्त भूमि के अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
बसवराजु एस., कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

रायपुर, दिनांक 8 मार्च 2017

क्रमांक/542/भू-अर्जन/2016.—चूंकि समुचित सरकार का प्रथम दृष्टया यह समाधान हो गया है कि खाना (1) से (4) में वर्णित भूमि की खाना (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये आवश्यकता होने के फलस्वरूप भू-अर्जन प्रकरण 10 अ/82 वर्ष 2014-15 ग्राम खम्हरिया में धारा 19 की कार्यवाही (छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 30-10-2015) की गई है, परन्तु निर्धारित समयावधि में अधिनिर्णय पारित नहीं होने के कारण भू-अर्जन प्रभावितों के लोक हित में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 अधिनियम के प्रावधान को ध्यान में रखते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण में एक वर्ष की कालावधि बढ़ाई जाती है.

भूमि का वर्णन					प्राधिकृत	सार्वजनिक प्रयोजन का
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल		अधिकारी	विवरण
			खसरा	रकबा (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)		(5)	(6)
रायपुर	आरंग	खम्हरिया	कुल 6	0.27	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण संभाग क्र. 1, रायपुर.	छतौना-दरबा-कुटेसर-बडगॉव कुण्डा-नारा-लखौली मार्ग चौड़ीकरण.

रायपुर, दिनांक 8 मार्च 2017

क्रमांक/543/भू-अर्जन/2016.—चूंकि समुचित सरकार का प्रथम दृष्टया यह समाधान हो गया है कि खाना (1) से (4) में वर्णित भूमि की खाना (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये आवश्यकता होने के फलस्वरूप भू-अर्जन प्रकरण 10 अ/82 वर्ष 2014-15 ग्राम कुकरा में धारा 19 की कार्यवाही (छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 30-10-2015) की गई है, परन्तु निर्धारित समयावधि में अधिनिर्णय पारित नहीं होने के कारण भू-अर्जन प्रभावितों के लोक हित में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 अधिनियम के प्रावधान को ध्यान में रखते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण में एक वर्ष की कालावधि बढ़ाई जाती है.

भूमि का वर्णन					प्राधिकृत	सार्वजनिक प्रयोजन का
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल		अधिकारी	विवरण
			खसरा	रकबा (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)		(5)	(6)
रायपुर	आरंग	कुकरा	कुल 03	0.08	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण संभाग क्र. 1, रायपुर.	छतौना-दरबा-कुटेसर-बडगॉव कुण्डा-नारा-लखौली मार्ग चौड़ीकरण.

रायपुर, दिनांक 8 मार्च 2017

क्रमांक/544/भू-अर्जन/2016.—चूंकि समुचित सरकार का प्रथम दृष्टया यह समाधान हो गया है कि खाना (1) से (4) में वर्णित भूमि की खाना (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये आवश्यकता होने के फलस्वरूप भू-अर्जन प्रकरण 10 अ/82 वर्ष 2014-15 ग्राम नारा में धारा 19 की कार्यवाही (छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 30-10-2015) की गई है, परन्तु निर्धारित समयावधि में अधिनिर्णय पारित नहीं होने के कारण भू-अर्जन प्रभावितों के लोक हित में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 अधिनियम के प्रावधान को ध्यान में रखते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण में एक वर्ष की कालावधि बढ़ाई जाती है.

भूमि का वर्णन					प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल			
			खसरा	रकबा (व. मी. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)		(5)	(6)
रायपुर	आरंग	नारा	कुल 47	7396	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण संभाग क्र. 1, रायपुर.	छतौना-दरबा-कुटेसर-बडगॉव कुण्डा-नारा-लखौली मार्ग चौड़ीकरण.

रायपुर, दिनांक 8 मार्च 2017

क्रमांक/545/भू-अर्जन/2016.—चूंकि समुचित सरकार का प्रथम दृष्टया यह समाधान हो गया है कि खाना (1) से (4) में वर्णित भूमि की खाना (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये आवश्यकता होने के फलस्वरूप भू-अर्जन प्रकरण 10 अ/82 वर्ष 2014-15 ग्राम रीवां में धारा 19 की कार्यवाही (छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 30-10-2015) की गई है, परन्तु निर्धारित समयावधि में अधिनिर्णय पारित नहीं होने के कारण भू-अर्जन प्रभावितों के लोक हित में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 अधिनियम के प्रावधान को ध्यान में रखते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण में एक वर्ष की कालावधि बढ़ाई जाती है.

भूमि का वर्णन					प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल			
			खसरा	रकबा (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)		(5)	(6)
रायपुर	आरंग	रीवां	कुल 08	0.147	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण संभाग क्र. 1, रायपुर.	छतौना-दरबा-कुटेसर-बडगॉव कुण्डा-नारा-लखौली मार्ग चौड़ीकरण मार्ग चौड़ीकरण.

रायपुर, दिनांक 8 मार्च 2017

क्रमांक/546/भू-अर्जन/2016.—चूंकि समुचित सरकार का प्रथम दृष्टया यह समाधान हो गया है कि खाना (1) से (4) में वर्णित भूमि की खाना (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये आवश्यकता होने के फलस्वरूप भू-अर्जन प्रकरण 10 अ/82 वर्ष 2014-15 ग्राम खमतराई में धारा 19 की कार्यवाही (छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 30-10-2015) की गई है, परन्तु निर्धारित समयावधि में अधिनिर्णय पारित नहीं होने के कारण भू-अर्जन प्रभावितों के लोक हित में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 अधिनियम के प्रावधान को ध्यान में रखते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण में एक वर्ष की कालावधि बढ़ाई जाती है.

भूमि का वर्णन					प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल			
			खसरा	रकबा (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)		(5)	(6)
रायपुर	आरंग	खमतराई	कुल 07	0.088	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण संभाग क्र. 1, रायपुर.	आरंग - खमतराई - भोथली-अकोलीकला-गुखेरा मार्ग चौड़ीकरण.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
ओ. पी. चौधरी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

बिलासपुर, दिनांक 21 मार्च 2017

क्रमांक 51/अ-82/2015-16.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम, 2013 कहा जावेगा) की धारा 19 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बिलासपुर
- (ख) तहसील-कोटा
- (ग) नगर/ग्राम-पोंड़ी
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.332 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
102/1	0.032
107/1	0.020
106/4	0.020
106/1	0.081
106/2	0.040
126	0.028
208	0.036
210	0.040
37/1	0.004
119/1	0.032
38/2	0.093
120	0.045
211/2	0.045
90/1	0.024
106/3	0.040
119/2	0.032
132	0.008
209/1	0.085
131	0.036
37/3	0.057

(1)	(2)
91	0.073
102/2	0.032
213	0.016
101/2	0.073
212	0.081
339/2	0.016
339/3	0.057
334/4	0.024
348/2	0.004
348/8	0.036
348/3	0.024
349/2	0.049
345/1	0.049
योग 33	1.332

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-आमापारा व्यपवर्तन योजना के अन्तर्गत नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कोटा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अन्बलगन पी., कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

कार्यालय, सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय, बैकुण्ठपुर, कोरिया (छ.ग.)

बैकुण्ठपुर, दिनांक 24 जनवरी 2017

क्रमांक/126/ELU/नग्रानि/2017.—एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि बैकुण्ठपुर निवेश क्षेत्र के लिए वर्तमान भूमि उपयोग संबंधी मानचित्र एवं रजिस्टर को छ.ग. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 (क्रमांक 23 सन् 1973) की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन तैयार किया गया है उसकी एक प्रति कार्यालय कलेक्ट्रेट बैकुण्ठपुर कोरिया, कार्यालय सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, बैकुण्ठपुर तथा नगर पालिका परिषद्, बैकुण्ठपुर, में दिनांक 27-01-2017 से कार्यालयीन अवधि के दौरान कार्यकारी दिवसों में निरीक्षण के लिए उपलब्ध है.

बैकुण्ठपुर निवेश क्षेत्र की सीमा निम्न अनुसूची में अंकित है :—

अनुसूची

बैकुण्ठपुर निवेश क्षेत्र की सीमाएं

उत्तर में : ग्राम तलवापारा, रामपुर एवं जनकपुर ग्रामों की उत्तरी सीमा तक.
पूर्व में : ग्राम जनकपुर, भांड़ी एवं कंचनपुर ग्रामों की पूर्वी सीमा तक.
दक्षिण में : ग्राम कंचनपुर, जामपारा, केनापारा, जूनापारा एवं चेर ग्रामों की दक्षिण सीमा तक.
पश्चिम में : ग्राम चेर, सागरपुर, हर्रापारा एवं तलवापारा ग्रामों की पश्चिम सीमा तक.

यदि इस प्रकार तैयार किये गए भूमि के वर्तमान उपयोग संबंधी मानचित्र एवं रजिस्टर के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव हो तो उक्त विनिर्दिष्ट स्थलों पर इस सूचना के छ.ग. राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस की समयावधि के भीतर लिखित रूप से प्रस्तुत किया जाना होगा.

भूमि के वर्तमान भूमि उपयोग संबंधी उक्त मानचित्र एवं रजिस्टर के संबंध में किसी ऐसी आपत्ति या सुझाव पर जो किसी भी व्यक्ति के द्वारा विनिर्दिष्ट समयावधि के भीतर प्राप्त हो, सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. द्वारा विचार किया जावेगा.

No. 126/TCP/PA-Baikunthpur/2017.—Notice is hereby given that the existing land use map for Baikunthpur planning area has been prepared under sub-section (1) of Section 15 of the Chhattisgarh Nagar Tatha Gram Nivesh Adhiniyam 1973 (No. 23 of 1973), and a copy thereof is available for inspection from date 27-01-2017 during office hours in the office of the Collectorate Baikunthpur Korea, Office of the Assistant Director Town and Country Planning Baikunthpur and Nagar Palika Parishad Baikunthpur.

The limit of Baikunthpur Planning Area is defined in the Schedule given below.

SCHEDULE

Limits of Baikunthpur Planning Area

NORTH	:	Village Talwapara, Rampur and Janakpur Northern limits of Villages.
EAST	:	Village Janakpur, Bhandi and Kanchanpur, Eastern limits of Villages.
SOUTH	:	Village Kanchanpur, Jampara, Kenapara, Junapara and Cher, Southern limits of Villages.
WEST	:	Village Cher, Sagarpur, Harrapara and Talwapara Western limits of Villages.

If there be any objection or suggestion with respect to the existing land use map so prepared, it should be sent in writing to the Assistant Director Nagar tatha Gram Nivesh Baikunthpur, District-Korea. Chhattisgarh within a period of thirty days from the date of publication of the notice in the "Chhattisgarh Gazette".

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said existing land use map and register before the period specified above will be considered by the Assistant Director Nagar Tatha Gram Nivesh Baikunthpur, District-Korea, Chhattisgarh.

एन. एस. ठाकुर,
सहायक संचालक.

कार्यालय, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, दुर्ग (छ.ग.)

दुर्ग, दिनांक 19 जनवरी 2017

क्रमांक/256/न.ग्रा.नि./वि.यो-थानखम्हरिया.—एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि थानखम्हरिया निवेश क्षेत्र के लिए वर्तमान भूमि उपयोग संबंधित मानचित्र एवं रजिस्टर को छ.ग. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 (क्रमांक 23 सन् 1973) की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन तैयार किया गया है जिसकी प्रति नगर पंचायत थानखम्हरिया के सभाकक्ष एवं नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग छ.ग. में दिनांक 20-01-2017 से कार्यालयीन अवधि के दौरान कार्यकारी दिवसों में निरीक्षण के लिए उपलब्ध है. थानखम्हरिया निवेश क्षेत्र की सीमा निम्नलिखित अनुसूची में विनिर्दिष्ट है :—

अनुसूची

थानखम्हरिया निवेश क्षेत्र की सीमाएं

उत्तर में	:	ग्राम कोपेडबरी, गातापार, उमराव नगर एवं टीपनी की उत्तरी सीमा तक.
पूर्व में	:	ग्राम टीपनी एवं दर्री की पूर्वी सीमा तक.
दक्षिण में	:	ग्राम दर्री, करमू एवं गुवारा की दक्षिणी सीमा तक.
पश्चिम में	:	ग्राम गुवारा, थानखम्हरिया, कुरदा, उमराव नगर एवं कोपेडबरी की पश्चिमी सीमा तक.

यदि इस प्रकार तैयार किये गए भूमि के वर्तमान भूमि उपयोग मानचित्र एवं रजिस्टर के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव हो तो उक्त विनिर्दिष्ट स्थल पर इस सूचना के छ.ग. राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस की समयावधि के भीतर लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं.

भूमि के वर्तमान भूमि उपयोग संबंधी उक्त मानचित्र एवं रजिस्टर के संबंध में किसी ऐसी आपत्ति या सुझाव पर जो किसी भी व्यक्ति के द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर प्राप्त होगा उस पर संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग छ.ग. द्वारा विचार किया जावेगा.

No. 256/T&CP/DP-Thankhamhariya/2016.—Notice is hereby given that the existing land use map for Thankhamhariya planning area has been prepared under sub-section (1) of Section 15 of the Chhattisgarh Nagar Tatha Gram Nivesh Adhiniyam 1973 (No. 23 of 1973), and a copy thereof is available for inspection from date 20-01-2017 during office hours in the conference hall of the Nagar Panchayat Thankhamhariya and Town and country planning office Durg. The limit of the Thankhamhariya Planning Area is defined in the schedule given below.

SCHEDULE

Limit of Thankhamhariya Planning Area

NORTH : Village Kopedabari, Gatapar, Umrav Nagar, Tipani upto North Boundary.
EAST : Village Tipani, Darri upto East Boundary.
SOUTH : Village Darri, Karmu, Guwara upto South Boundary.
WEST : Village Guwara, Thankhamhariya, Kurda, Umravnagar, Kopedabari upto West Boundary.

If there be any objection or suggestion with respect to the existing land use map so prepared, in it should be sent in writing to the Joint Director Town and Country Planning Durg Chhattisgarh within a period of thirty days from the date of publication of the notice in the “Chhattisgarh Gazette”.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said existing land use map and register before the period specified above will be considered by the Joint Director Town and Country Planning Durg.

जाहिद अली,
संयुक्त संचालक.

कार्यालय, उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

रायगढ़, दिनांक 27 जनवरी 2017

क्रमांक 200/नग्रानि/2017.—छ.ग. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 (क्र. 23 सन् 1973) की धारा-15 की उपधारा (3) के अनुसरण में सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह प्रकाशित किया जाता है कि उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित अनुसूची में विनिर्दिष्ट धर्मजयगढ़ निवेश क्षेत्र में की भूमि के वर्तमान उपयोग संबंधी मानचित्र तद्नुसार सम्यक् रूप से अंगीकृत किये जाते हैं, इस सूचना की प्रति उक्त अधिनियम की धारा-15 (4) के अनुसरण में छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन हेतु भेजी जा रही है जो इस बात का निश्चायक साक्ष्य होगा कि मानचित्र सम्यक रूप से तैयार तथा अंगीकृत कर लिया गया है.

अनुसूची

धर्मजयगढ़ निवेश क्षेत्र की सीमाएं

उत्तर में : ग्राम सेमीपाली खुर्द, गेवरघुटरी एवं ग्राम अमली टिकरा की उत्तरी सीमा तक.
पश्चिम में : ग्राम अमली टिकरा, शाहपुर एवं ग्राम तराईमार की पश्चिमी सीमा तक.
दक्षिण में : ग्राम तराईमार, मेड़रभाटा, दरीडीह एवं ओमना की दक्षिणी सीमा तक.
पूर्व में : ग्राम ओमना, मड़रीमुड़ा, धर्मजयगढ़ एवं ग्राम सेमीपाली खुर्द की पूर्व सीमा तक.

उक्त अंगीकृत मानचित्र प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंतराल तक निम्नलिखित स्थान पर सार्वजनिक निरीक्षण हेतु कार्यालयीन समय में अवकाश के दिन को छोड़कर खुला रहेगा.

निरीक्षण स्थल :— कार्यालय नगर पंचायत धर्मजयगढ़ (सभाकक्ष).

No. 200/N.G.N./2017.—It is published for general information on the public that is pursuance of sub-section (3) of section-15 of the Chhattisgarh Nagar Tatha Gram Nivesh Adhiniyam, 1973 (23 of 1973) an existing land use map of the planning area of Dharamjaigarh as specified in the following schedule is hereby duly adopted by the Deputy Director, Town & Country Planning Raigarh (C.G.), Copy of this notice is being sent for publication in the Chhattisgarh Gazzet under sub-section (4) of section 15 of the said Act, and will be a conclusive evidence of the fact that the map has been duly prepared and adopted.

SCHEDULE

Limit of Dharamjaigarh Planning Area

NORTH	:	Village Semipali Khurd, Gevarghutri and upto the Northern limit of Village Amli Tikra.
WEST	:	Village Amli Tikra, Shaahpur and upto Western limit of Village Taraimar.
SOUTH	:	Village Taraimar, MedharBhatha, Daridih and upto The Southern limit of Omna.
EAST	:	Village Omna, Madrimuda, Dharamjaigarh and upto Eastern limit of Village Semipali.

The said adopted map shall be open for inspection at the following place with effect from the dated publication for a period of 15 days during office hours, except holidays.

Inspection site :— Office of the Nagar Panchayat Dharamjaigarh (Shabha Kaksh).

आर. एन. प्रसाद,
उप संचालक.

उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं

HIGH COURT OF CHHATTISGARH, BILASPUR

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 17/L.G./2017/II-3-13/2007.—Shri N.D. Tigala, Distirict & Sessions Judge, Raigarh is hereby, granted earned leave for 04 days from 13-12-2016 to 16-12-2016 along with permisison to leave headquarters from the morning of 10-12-2016 till the evening of 18-12-2016 and earned leave for 02 days on 26-12-2016 & 27-12-2016 along with permission to leave headquarters from the morning of 26-12-2016 till the before the Court hours of 28-12-2016.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Tigala, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 292 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 18/L.G./2017/II-3-19/2008.—Shri N. K. Chandrawanshi, District & Sessions Judge, Surguja at Ambikapur is hereby, granted earned leave for 01 day on 31-12-2016 in continuation of winter vacation along woth permission to leave headquarters from 25-12-2016 to 01-01-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Chandrawanshi had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 300+15 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 19/L.G./2017/II-3-25/2007.—Shri Mansoor Ahmed, Special judge (Atrocities), Durg is hereby, granted earned leave for 01 days on 26-12-2017 with winter vacation along with permission to leave headquarters from the night 08.00 p.m. of 24-12-2016 till the evening 04.00 p.m. of 01-01-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Ahmed, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 259 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 20/L.G./2017/II-3-38/2007.—Shri Ram Kumar Tiwari, District & Sessions judge, Bemetara is hereby, granted earned leave for 05 days from 23-12-2016 to 27-12-2016 along with permission to leave headquarters and earned leave for 13 days from 01-01-2017 to 13-01-2017 along with permission to leave headquarters.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Tiwari, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 272 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 21/L.G./2017/II-3-4/2010.—Smt. Rajni Dubey, Registrar (vigilance), High Court of Chhattisgarh, Bilaspur is hereby, granted earned leave for 07 days from 07-01-2017 to 13-01-2017 along with permission to leave headquarters from 07-01-2017 to 15-01-2017.

During the period of earned leave, she shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Smt. Dube, had not proceeded on leave as aforementioned then she would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 106 days of earned leave are remaining in her leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 22/L.G./2017/II-3-65/2001.—Shri Jagdamba Rai, District & Sessions Judge, Dhamtari is hereby, granted earned leave for 05 days from 16-01-2017 to 20-01-2017 along with permission to remain out of headquarters after attending training programme of 14-01-2017 till before the Court hours of 23-01-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Rai, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 300+06 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 23/L.G./2017/II-2-43/2004.—Shri Prabhat Kumar Shastri, Judge Family Court, Manendragarh, District-Koriya is hereby, granted earned leave for 12 days from 09-01-2017 to 20-01-2017 along with permission to leave headquarters from 08-01-2017 to 22-01-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Shastri, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 300 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 24/L.G./2017/II-3-35/2008.—Shri Syprial Xess, II Additional Principal Judge, Family Court, Raipur is hereby, granted earned leave for 10 days from 16-01-2017 to 25-01-2017 along with permission to leave headquarters from 14-01-2017 to 26-01-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Xess, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 279 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 25/L.G./2017/II-2-4/2014.—Shri Sanjay Kumar Jaiswal District & Sessions Judge Balod is hereby, granted earned leave for 06 days from 30-01-2017 to 04-02-2017 along with permission to leave headquarters from 29-01-2017 to 05-02-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Jaiswal, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 291 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 26/L.G./2017/II-2-7/2013.—Shri Satish Kumar Singh, District & Sessions Judge, Bastar (Jagdalpur) is hereby, granted earned leave for 06 days from 30-01-2017 to 04-02-2017 along with permission to leave headquarters from the evening of 29-01-2017 till the evening of 05-02-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Singh, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 300+09 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 27th February 2017

No. 27/L.G./2017/II-2-7/2003.—Shri Arvind Singh Chandel, Registrar General, High Court of Chhattisgarh, Bilaspur is hereby, granted earned leave for 03 days from 06-02-2017 to 08-02-2017 along with permission to leave headquarters from evening of 04-02-2017 till the morning of 09-02-2017.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Chandel, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 205 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

By order of the High Court,
OMPRAKASH SINGH CHAUHAN, Additional Registrar (ADMN.).